



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 27 जनवरी, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण, 27 और 28 जनवरी, 2026 को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा/हिमपात होने की संभावना है, साथ ही 27 जनवरी, 2026 को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और ओलावृष्टि भी हो सकती है।

(ii) 27 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिमी भारत और मध्य प्रदेश के आसपास के मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।

(iii) 30 जनवरी, 2026 की रात से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 27 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 मीटर) छाया रहा, जबकि पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश और मेघालय के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 मीटर) छाया रहा।
- ❖ रिपोर्ट की गई दृश्यता (मीटर में ≤ 200 मीटर): पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सरसवा (IAF) - 00, नजीबाबाद - 150; पंजाब: पटियाला (जिला पटियाला) - 50, लुधियाना - 200; मेघालय: बारापानी - 100; पूर्वी मध्य प्रदेश: रीवा, खजुराहो (50-199 मीटर)।
- ❖ हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में ठंड का मौसम रहा।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस रहा। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद के ऊंचे इलाकों को छोड़कर, देश के शेष हिस्सों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस और उससे अधिक रहा, जहां यह 0 डिग्री सेल्सियस से नीचे था।
- ❖ गुजरात क्षेत्र, महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम, रायलसीमा, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में न्यूनतम तापमान सामान्य से (3°C से 5°C) अधिक रहा; पंजाब, उत्तरी हरियाणा, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में (1°C से 2°C) अधिक रहा और देश के शेष हिस्सों में सामान्य के आसपास रहा। (परिशिष्ट IV देखें)
- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस अलवार (राजस्थान) में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ उत्तरी पाकिस्तान के निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पश्चिमी विक्षोभ, मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में स्थित पश्चिमी हवाओं के साथ, लगभग 65° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 22° उत्तर के पास स्थित है।
- ❖ एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में स्थित है।
- ❖ मध्य भारत में हवाओं का संगम है और अरब सागर से उत्तर-पश्चिम और उससे सटे मध्य भारत में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में नमी का प्रवेश हो रहा है।
- ❖ उत्तर-पूर्वी भारत में उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम चल रही है, जिसकी मुख्य हवाएँ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर लगभग 135 समुद्री मील की गति से चल रही हैं।

❖ 30 जनवरी 2026 की रात से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

ऊपर बताए गए प्रणालियाँ, के असर से, ऐसा मौसम रहने की संभावना है:

- ❖ 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में तथा 27 और 28 जनवरी को उत्तराखंड में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक के झोंकों के साथ व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा/बर्फबारी की संभावना है। 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट भारी वर्षा/बर्फबारी की भी संभावना है। 27 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक के झोंकों के साथ छिटपुट से लेकर व्यापक हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है; 27 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक के झोंकों के साथ तूफान आने की संभावना है; 27 और 28 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही स्थिति है; 27 जनवरी को मध्य प्रदेश और 28 जनवरी को छत्तीसगढ़ में गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की वर्षा की संभावना है।
- ❖ 27 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और उससे सटे पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 28 जनवरी को बिहार में छिटपुट हल्की/मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं की संभावना है। सिक्किम में भी इसी दिन छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 30 जनवरी 2026 की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से 1 और 2 फरवरी को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों में छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा/बर्फबारी, गरज, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं की संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले दो दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की संभावना है; इसके बाद इसमें 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ अगले दो दिनों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की संभावना है; अगले 24 घंटों के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा और उसके बाद के 4 दिनों में इसमें 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ अगले दो दिनों के दौरान उत्तरी महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की संभावना है; उसके बाद के 3 दिनों में इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट की संभावना है; उसके बाद के 3 दिनों में इसमें 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 28 से 30 जनवरी तक, उत्तराखंड में 29 और 30 जनवरी को, उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में 28 और 29 जनवरी को सुबह/रात के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 29 से 31 जनवरी तक, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुछ इलाकों में शीत लहर चलने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 27 जनवरी को कुछ इलाकों में ठंड पड़ने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 27 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु और पश्चिमी श्रीलंका के तटों के आसपास, मन्नार की खाड़ी के ऊपर, कोमोरिन क्षेत्र से सटे इलाकों में 27 से 29 जनवरी के दौरान न जाएं।

बारिश दर्ज की गई (सेमी में) (कल सुबह 0830 बजे से आज सुबह 0830 बजे तक):

जम्मू-कश्मीर लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: गुंड (जिला गांदरबल), गुलमर्ग आरएस (जिला बारामुला) 3 प्रत्येक; राजपुरा एआरजी (जिला पुंछ), गोविंदपुरा एडब्ल्यूएस (जिला रामबन), पुंछ (जिला पुंछ), बनिहाल (जिला रामबन), बटोट (जिला रामबन), कुपवाड़ा (जिला कुपवाड़ा) 2 प्रत्येक; रियासी एआरजी (जिला रियासी), बांदीपोरा (जिला बांदीपोर), राजौरी (जिला राजौरी), कुकेरनाग (जिला अनंतनाग), पहलगाम (जिला अनंतनाग), काजी गुंड (जिला कुलगाम), बदरवाह (जिला डोडा), अवंतीपुर आईएफ (जिला पुलवामा), श्रीनगर एपी (जिला बडगाम), कटरा (जिला रियासी), उधमपुर (आईएफ) (जिला उधमपुर) 1 प्रत्येक; **रायलसीमा:** पलासमुद्रम (जिला चित्तूर), चित्तूर (जिला चित्तूर) 2 प्रत्येक; पुल्लमपेटा (जिला अन्नामय्या जिला) 1; **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह:** आईएफ कार्निकोबार (जिला निकोबार) 2, **हिमाचल प्रदेश:** कुकुमशेरी एडब्ल्यूएस (जिला लाहौल और स्पीति), कोठी (जिला कुल्लू), पीटीओ कोकसर (जिला लाहौल और स्पीति), एचएमओ हंसा (जिला लाहौल और स्पीति), पीटीओ गोंडला (जिला लाहौल और स्पीति) 2 प्रत्येक; भरमौर (जिला चंबा), सलोनी (जिला चंबा), केलोंग (जिला लाहौल और स्पीति), छत्रारी (जिला चंबा), मनाली (जिला कुल्लू), कल्पा (जिला किन्नौर) 1 प्रत्येक।

तेज़ हवाएँ दर्ज की गई (किमी प्रति घंटे में):

हिमाचल प्रदेश: कुफरी और नारकंडा-52, मसोबरा-44, बजौरा-43, सियोबाग-33

जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद: जम्मू छठ -43

दिल्ली/एनसीआर में 27-30 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

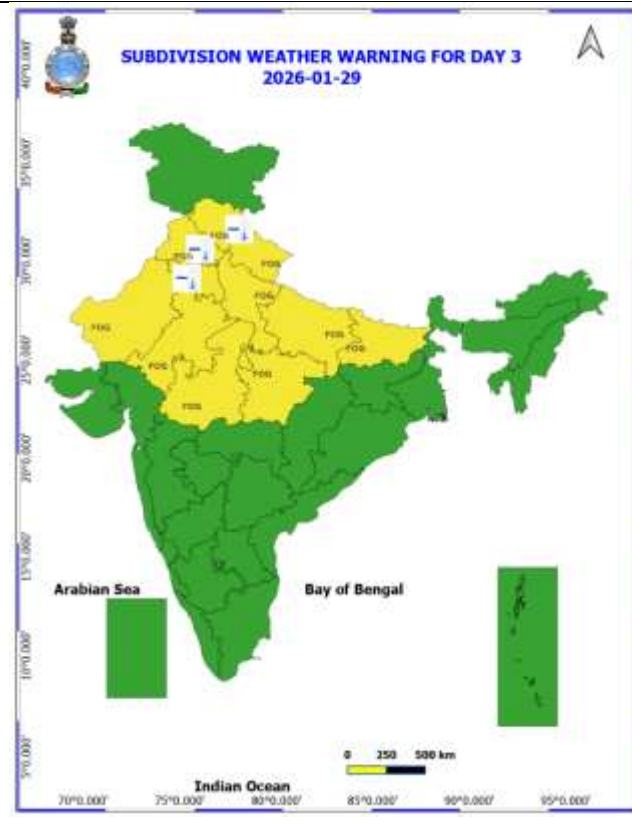
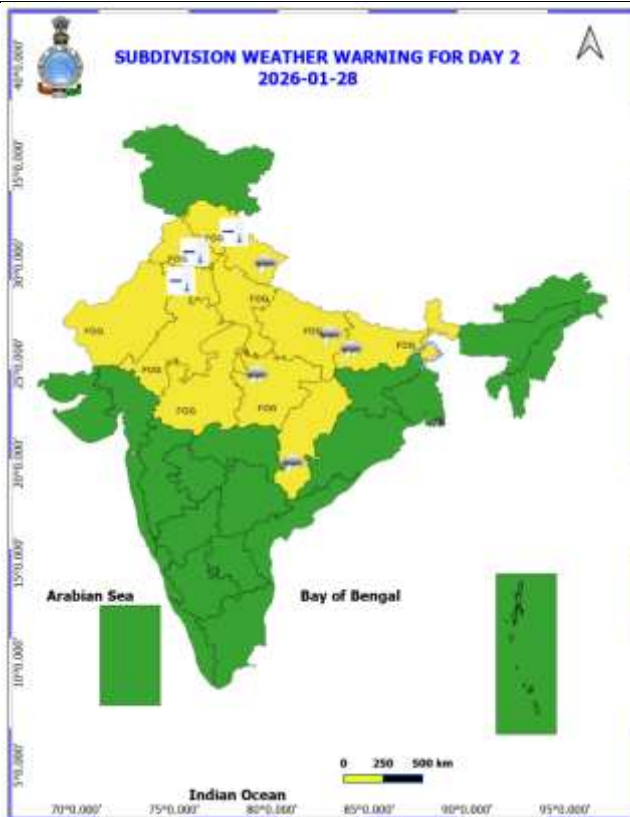
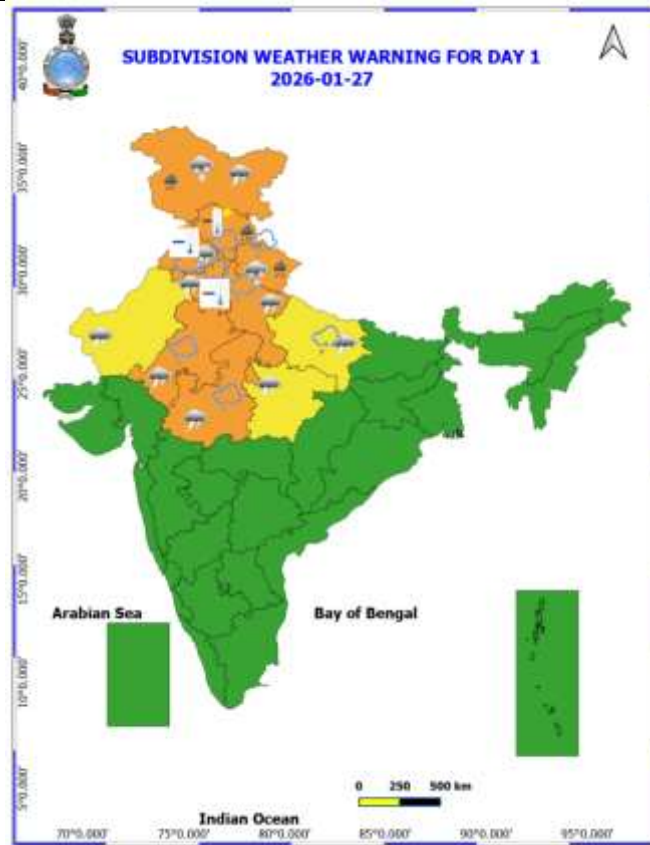
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

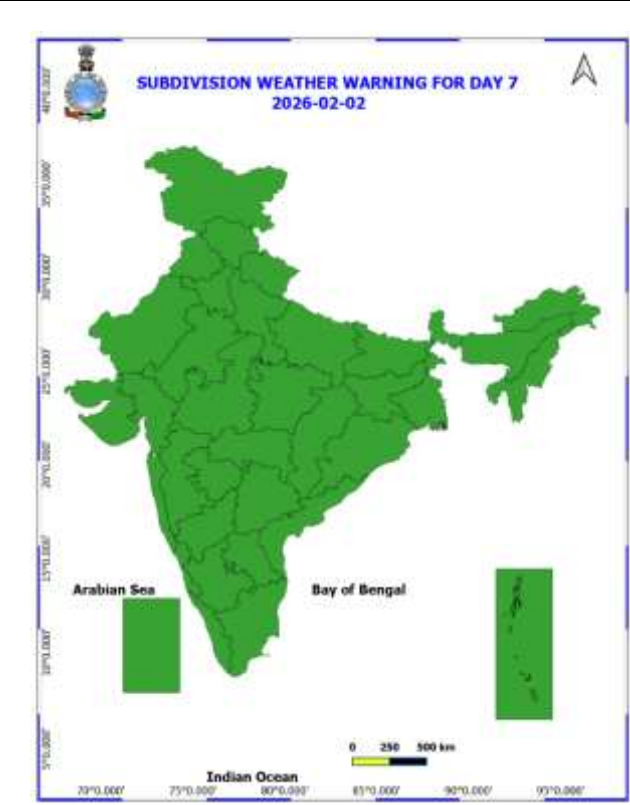
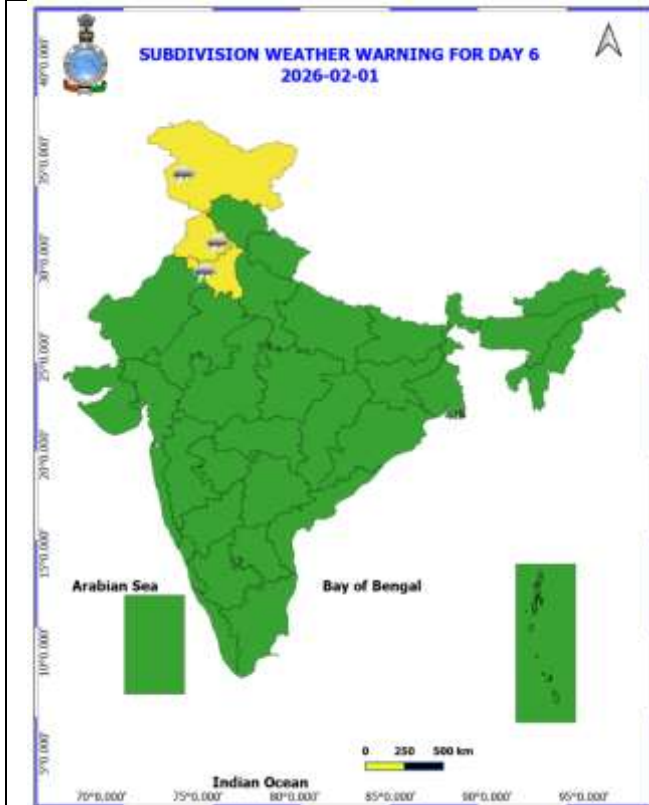
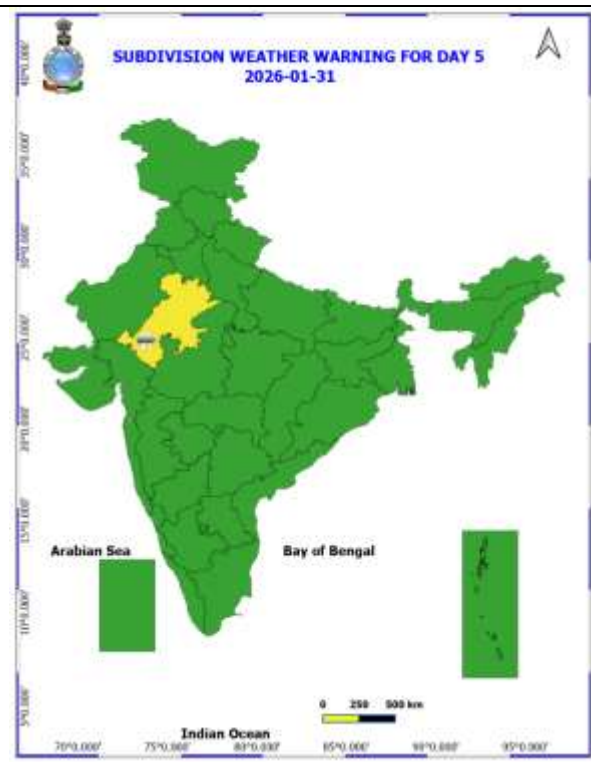
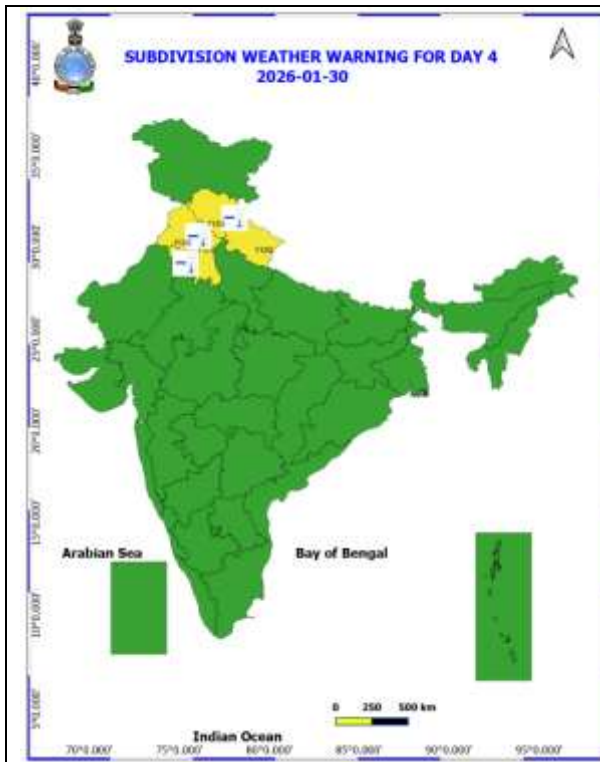
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Jan	28- Jan	29- Jan	30- Jan	31- Jan	1- Feb	2- Feb
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	WS	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	WS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	FWS	SCT
14	PUNJAB	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	FWS	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	WS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

27 से 30 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में भी 3-5 डिग्री सेल्सियस की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 19 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 से -3.0 डिग्री सेल्सियस) है, जबकि दिल्ली के कई स्थानों पर यह सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। पिछले 24 घंटों में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहे। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में दक्षिण-पूर्व दिशा से हल्की बारिश की एक या दो बौछारें हुईं, जिनके साथ गरज/बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जबकि सतही हवा की गति 16 किमी प्रति घंटे तक थी।

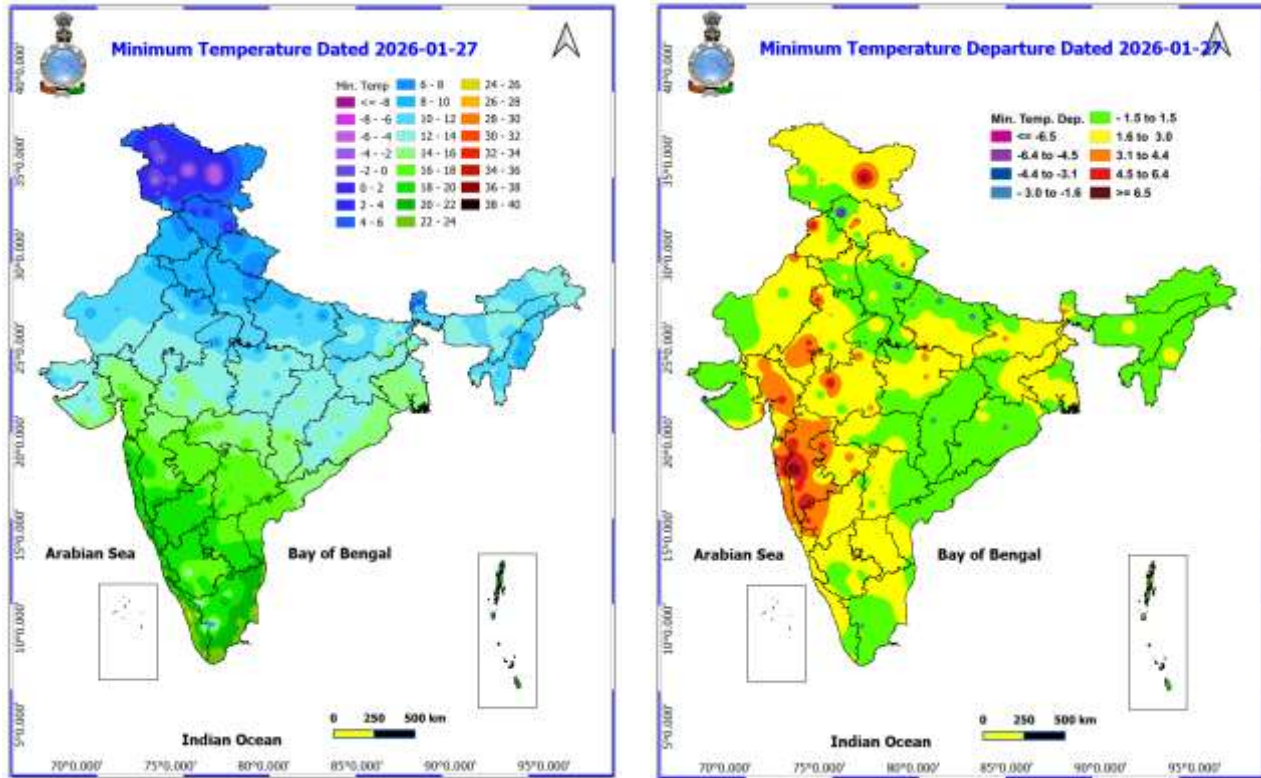
मौसम पूर्वानुमान:

27.01.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से रात तक हल्की से मध्यम बारिश की एक या दो बौछारें गरज/बिजली के साथ हो सकती हैं। अधिकतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दिल्ली के कुछ स्थानों पर ठंड का मौसम रहने की संभावना है। दोपहर के समय पूर्वी दिशा से चलने वाली सतही हवा की गति 16 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

28.01.2026: आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 5 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर में उत्तर दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 10 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर दिशा से चलने वाली हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 5 किमी प्रति घंटा तक रह जाएगी।

29.01.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्की से मध्यम धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 8 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

30.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा छा सकता है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 7°C से 9°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक पहुंच जाएगी। शाम और रात के समय हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी, जिसकी गति 8 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।



अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कदम

- ❖ 27 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक की आंधी और बिजली गिरने के साथ तूफान आने की संभावना है; उत्तराखंड में 27 और 28 जनवरी को भी यही स्थिति रहेगी; पूर्वी राजस्थान में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक की आंधी और बिजली गिरने के साथ तूफान आने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए कदम:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।

- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीजों से दूर रहें।

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 28-30 जनवरी के दौरान, उत्तराखंड में 29 और 30 जनवरी को, और उत्तर प्रदेश, उत्तरी मध्य प्रदेश, राजस्थान और बिहार में 28 और 29 जनवरी को सुबह/रात के समय कुछ इलाकों में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 29-31 जनवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में और 28-31 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में शीतलहर चलने की संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू-कश्मीर में, गेहूं, सरसों, चना, मटर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी सुनिश्चित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, गेहूं, जौ, प्याज, मटर, आलू, लहसुन, पालक, मूली, शलगम, धनिया, पता गोभी, फूल गोभी, ब्रोकली तथा फल बागानों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी सुनिश्चित करें।
- उत्तराखंड में, गेहूं, जौ, मसूर, चना, सरसों, राई/रेपसीड, सब्जी एवं बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकासी सुनिश्चित करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पूर्व राजस्थान में फलों के बागानों और सब्जियों के पौधों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु हेलनेट का उपयोग करें।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्टिचिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को भूसे /पॉलीथीन शीट से ढक दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- भारी बारिश/ ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिछावन उपलब्ध कराएं। पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षरः

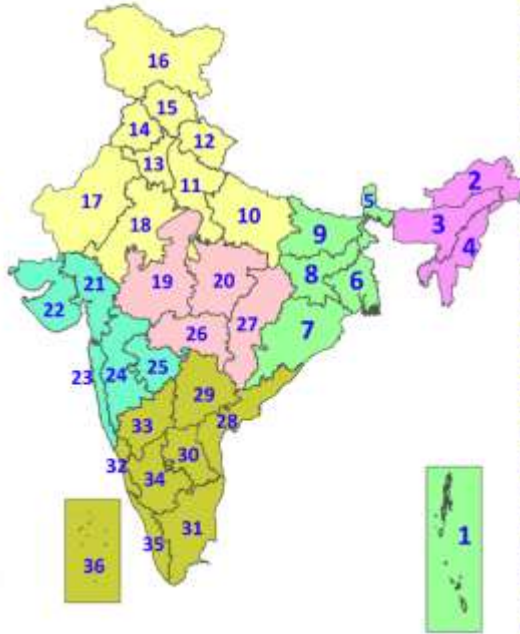
➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)